



एक भारत श्रेष्ठ भारत

INTRODUCTION

India is a unique nation, whose fabric has been woven by diverse linguistic, cultural and religious threads, held together into a composite national identity by a rich history of cultural evolution, coupled with a freedom struggle that was built around the tenets of non-violence and justice. The spirit of mutual understanding amidst a shared history has enabled a special unity in diversity, which stands out as a tall flame of nationhood that needs to be nourished and cherished into the future.

Time and technology have narrowed down distances in terms of connect and communication. In an era that facilitates mobility and outreach, it is important to establish cultural exchanges between people of different regions, as a means to further human bonding and a common approach to nation-building. Mutual understanding and trust are the foundations of India's strength and all citizens should feel culturally integrated in all corners of India. Students from the north-east, for example, should not feel like 'strangers in a strange land' when they arrive in Delhi, or a person from Uttarakhand should not feel like an outsider in Kerala.

Ek Bharat Shreshtha Bharat programme aims to enhance interaction & promote mutual understanding between people of different states/UTs through the concept of state/UT pairing. The states carry out activities to promote a sustained and structured cultural connect in the areas of language learning, culture, traditions & music, tourism & cuisine, sports and sharing of best practices, etc.

CONCEPT OF EAK BHARAT SHRESTHA BHARAT

The idea of a sustained and structured cultural connect between people of different regions was mooted by Prime Minister Shri Narendra Modi during the Rashtriya Ekta Divas held on 31st October, 2015, to commemorate the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel. Hon'ble Prime Minister propounded that

cultural diversity is a joy that ought to be celebrated through mutual interaction & reciprocity between people of different States and UTs so that a common spirit of understanding resonates throughout the country. Every State and UT in the country would be paired with another State/UT for a time period, during which they would carry out a structured engagement with one another in the spheres of language, literature, cuisine, festivals, cultural events, tourism etc. For example, Andhra Pradesh is paired with Punjab for During this period, Punjabis would attempt to learn key words in Telugu, a few Telugu books would be translated into Punjabi & vice-versa, Andhraites would hold food festivals offering Punjabi dishes, Punjabis would perform Andhra folk dances, while Andhraites would perform Bhangra at staged events etc. This pattern of cultural adoption of the partner State/UT would be followed by all states and UTs.

EAK BHARAT SHRESTHA BHARAT ACTIVITIES AT CH. BANSILAL UNIVERSITY, BHIWANI

Online Goshthi under Ek Bharat Shreshtha Bharat



चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी

एवं

पंचनद शोध संस्थान, चंडीगढ़

दक्षिण दिल्ली अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित ई - गोष्ठी



विषय: एक भारत, श्रेष्ठ भारत

समय: सांय 5 से 7 बजे तक

तिथि: 09 फरवरी, 2022, बुधवार



अध्यक्षता

प्रो. राजकुमार मित्तल

कुलपति

चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी



प्रो. वेद प्रकाश कुमार

वरिष्ठ सलाहकार एवं नोडल अधिकारी

एक भारत, श्रेष्ठ भारत

चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी



प्रस्तोता

श्री मनीष बाजपेई

कार्यक्रम निष्पादक

एक भारत श्रेष्ठ भारत,

दूरदर्शन समाचार, दिल्ली

ई-गोष्ठी लिंक पर क्लिक करे



<https://zoom.us/j/97457612600?pwd=MEhCY1hMZklZSEg2WVNwb0pUeHZlQT09>

निवेदक: श्रीमती ऋतु सिंह, कुलसचिव

प्रो. रविन्द्र कुमार गुप्ता, सलाहकार

श्रीमती ऋचा बी.चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष

कुमारी सीमा गुप्ता, सचिव

An online Goshthi was held on Ek Bharat Shreshtha Bharat, jointly organised by Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani and Panchnad Shodh Kendra, South Delhi Chapter. The program was attended by all the dignitaries' civil servants and the opinion makers of the society. The program was chaired by Hon'ble Prof. Raj Kumar Mittal, Vice-Chancellor of Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani. The Keynote speaker of the Goshthi was Shri Manish Bajpai, Consulting Editor of Delhi Doordarshan and also the nodal officer of Ek Bharat Shreshtha Bharat program . The moderator of the session of goshthi was Prof. Ved Parkash Kumar, Senior Consultant of Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani and the nodal officer of Ek Bharat Shreshtha Bharat programme. It was very well appreciated by all the participants of the goshthi.

MEDIA COVERAGE

10/03, 11/03/2022



ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में दी एक भारत-श्रेष्ठ भारत विषय पर जानकारी

भिवानी | चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय एवं पंचनद शोध संस्थान चंडीगढ़ के दक्षिणी दिल्ली अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार

गांव के उत्पादन को विश्व बाजार

■ एक भारत श्रेष्ठ भारत पर
ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी

हरिभूति ब्यूरो >>> भिवानी

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय एवं पंचनद शोध संस्थान चंडीगढ़ के दक्षिणी दिल्ली अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार भितल ने की। राष्ट्रीय गोष्ठी में बतौर वक्ता मनीष बाजपेई निम्नादक संपादक ने अपने विचार एक भारत-श्रेष्ठ भारत पर रखे। उन्होंने कहा कि देश बनाने में, आत्मनिर्भर भारत बनाना, गांव के बनाए हुए उत्पादन को, कु



भिवानी। ऑनलाइन संगोष्ठी में शामिल होते वीसी। फोटो: हरिभूति

राजकुमार भितल ने अपने विचार

बनाने में आत्मनिर्भर भारत बनाना, गांव के बनाए हुए उत्पादन को, कुशल विपणन द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराना ही लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से, एक राज्य के लोग दूसरे राज्य की संस्कृति और परम्पराओं का सही ज्ञान प्राप्त करेंगे जो लोगों को पारस्परिक समझ को बढ़ावा देगा और इनके अपनी संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। मुख्य वक्ता मनीष बाजपेई ने कहा कि हमारे भारत वर्ष में बहुत से ऐसे परंपरा हैं जो देश को एक रूप में पिरोती हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रो.

सफल बनाने में जाना से कना स्थिति, किया जि मदद मि संचालन वीर स अधिकारी किया और भारत को स्वतंत्रता भाई पेल शुरू को ग का कोई हर स

भारत-श्रेष्ठ भारत पर संगोष्ठी आयोज

मी। चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय एवं पंचनद शोध संस्थान चंडीगढ़ दिल्ली अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार ने की। राष्ट्रीय गोष्ठी में बतौर वक्ता मनीष बाजपेई निम्नादक संपादक ने अपने विचार एक भारत-श्रेष्ठ भारत पर रखे। उन्होंने कहा कि देश बनाने में, आत्मनिर्भर भारत बनाना, गांव के बनाए हुए उत्पादन को, कु द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिक्री हेतु उपलब्ध कराना ही चाहिए। मुख्य वक्ता मनीष बाजपेई ने कहा कि हमारे भारत वर्ष में बहुत से ऐसे परंपरा हैं जो देश को एक रूप में पिरोती हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रो.

एक भारत-श्रेष्ठ भारत पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोज

भिवानी (ब्यूरो) : चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय एवं पंचनद शोध संस्थान चंडीगढ़ के दक्षिणी दिल्ली अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता



राज्य की संस्कृति और परम्परा का सही ज्ञान प्राप्त करेंगे जो लोगों को पारस्परिक समझ को बढ़ावा देगा और इनके अपनी संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। मुख्य वक्ता मनीष बाजपेई

NODAL OFFICER OF EAK BHARAT SHRESTH BHARAT

Prof. Ved Parkash Kumar, Senior Consultant.

Mobile: 9560934607

E mail : profvpkumar@cblu.ac.in
